# अशोक लेलैंड के पास बनेगा फ्लैटेड फैक्ट्री कांप्लेक्स

## निवेशकों को इकाइयों की स्थापना के लिए एनओसी लेने की नहीं होगी जरूरत

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : लखनऊ में फ्लैटेड फैक्ट्री कांप्लेक्स (एफएफसी) का निर्माण अशोक लेलैंड के पास स्कूटर इंडिया की भूमि पर किया जाएगा। इसके लिए 400 वर्ग मीटर भूमि सूक्ष्म, लघु एवं मध्ययम उद्यम (एमएसएमई) विभाग ने चिह्नित की है। पहले इसका निर्माण अमौसी औद्योगिक क्षेत्र में किया जाना था, लेकिन उपयुक्त भूमि उपलब्ध न होने की वजह से अब इसका निर्माण स्कूटर इंडिया की भूमि पर किया जाएगा। इस पांच मंजिला कांप्लेक्स में करीब 150 सूक्ष्म व लघु इकाइयां संचालित की जाएंगी।

राज्य सरकार ने स्कूटर इंडिया की 147.49 एकड़ भूमि में से 70 एकड़ भूमि हिंदुजा समूह को अशोक लेलैंड की इकाई स्थापित करने के लिए दी है। इस इकाई में इलेक्ट्रिक बसों व ट्रक का निर्माण किया जाएगा। सरकार ने हिंदुजा समूह को भूमि आवंटन के बाद शेष भूमि उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधीन कर दी थी। इसी में से 400 वर्ग मीटर भूमि पर लखनऊ के पहले फ्लैटेड फैक्ट्री कांप्लेक्स के निर्माण की तैयारी एमएसएमई विभाग ने शुरू कर दी है।

विभाग की कोशिश है कि लखनऊ में बनने वाले कांप्लेक्स में आइटी, स्पोर्ट्स शूज, परिधान, खिलौने, खाद्य प्रसंस्करण, आगबत्ती, मसाला, नमकीन, इलेक्ट्रानिक्स, होजरी जैसे छोटे उद्योगों की इकाइयां स्थापित की जाएं। प्लग एंड प्ले व्यवस्था पर आधारित इस कांप्लेक्स का निर्माण फिलहाल पांच मंजिल में किए जाने की योजना तैयार की गई है। इसके निर्माण को लेकर एमएसएमई विभाग सभी संबंधित विभागों से पहले ही अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) ले लेगा, जिससे इकाइयों की स्थापना को लेकर निवेशकों को एनओसी के लिए विभिन्न विभागों का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। एमएमएसई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि लखनऊ के बाद गोरखपुर में भी फ्लैटेड फैक्ट्री कांप्लेक्स के निर्माण की तैयारी की जा रही है। इन कांप्लेक्सों का निर्माण भविष्य के छोटे उद्योगों के लिए किया जा रहा है। इसमें स्थापित होने वाली इकाइयों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका डिजाइन इस प्रकार से तैयार किया जाएगा कि उद्यमी सीधे इस कांप्लेक्स में संबंधित मशीनें लगाकर उत्पादन शुरू कर सकते हैं।

## निवेश के लिए 22 देशों के प्रतिनिधि आज आएंगे

राज्य में निवेश की संभावना तलाशने के लिए शुक्रवार को तीन दिवसीय दौरे पर 22 देशों के प्रतिनिधि लखनऊ आएंगे। इन्वेस्ट यूपी की तरफ से इन्हें लखनऊ की धरोहरों का भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही लखनऊ की संस्कृति और चिकनकारी भी दिखाई जाएगी। यह पहला मौका है जब एक साथ 22 देशों के प्रतिनिधि निवेश के मकसद से लखनऊ आ रहे हैं। इनमें ज्यादातर दक्षिणी अमेरिकी और कैरेबियन देशों के प्रतिनिधि शामिल हैं। सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान (एसएसआइएफएस) की पहल पर इन्वेस्ट यूपी ने विदेशी प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्य सरकार की निवेश संबंधी नीतियों की जानकारी देने के लिए एक विशेष सत्र भी रखा है। इस सत्र में विदेशी निवेशकों को राज्य सरकार की एफडीआइ नीति की भी जानकारी दी जाएगी। इसके तहत राज्य में विदेशी निवेशकों को भूमि, स्टांप शुल्क, विद्युत शुल्क और पूंजीगत सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। साथ ही सरकार प्रशिक्षण खर्च की प्रतिपूर्ति कर रही है। वहीं फार्च्यून ग्लोबल 500 व फार्च्यून इंडिया 500 कंपनियों को राज्य में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल में एंटीगुआ और बारबुडा, अर्जेंटीना, बहमास, बारबाडोस, ब्राजील, कोलंबिया, कामनवेल्थ आफ डोमिनिका, कोस्टा रिका, क्यूबा, डोमिनिकन गणराज्य, अल साल्वाडोर, गुयाना, हैती, हौंडुरस, पनामा, पराग्वे, पेरू, सूरीनाम, सेंट किट्स, नेविस और वेनेजुएला के प्रतिनिधि शामिल हैं।